दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 14 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 19

महत्वपूर्ण एवं खास

दिल्ली में प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिमी दिल्ली में एक प्लास्टिक फैक्ट्री में शुक्रवार को भीषण आग लग गई, अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा कि उद्योग नगर मेट्रो स्टेशन के पास प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लगने के संबंध में सुबह 6:01 बजे एक कॉल प्राप्त हुई थी। उन्होंने कहा, कुल 26 फायर टेंडरों को घटनास्थल पर भेजा गया है। गर्ग ने कहा, अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और आग बुझाने का काम जारी है।

पीएम मोदी आज मुंबई में 141वें आईओसी सत्र का करेंगे उद्घाटन

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अक्टूबर को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में 141वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र का उद्घाटन करेंगे।भारत दूसरी बार और लगभग 40 वर्षों के अंतराल के बाद आईओसी सत्र की मेजबानी कर रहा है।आईओसी का 86वां सत्र अब से पहले 1983 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सत्र में आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाख और आईओसी के अन्य सदस्यों के साथ-साथ प्रमुख भारतीय खेल हस्तियां और भारतीय ओलंपिक संघ सहित विभिन्न खेल महासंघों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।आईओसी सत्र अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक के रूप में कार्य करता है।ओलंपिक खेलों के भविष्य के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय आईओसी सत्र में लिए जाते हैं।भारत में आयोजित होने वाला 141वां आईओसी सत्र वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने, खेल उत्कृष्टता का जश्?न मनाने और दोस्ती, सम्मान और उत्कृष्टता के ओलंपिक आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए देश के समर्पण का प्रतीक है।यह खेल से संबंधित विभिन्न हितधारकों के बीच बातचीत और ज्ञान साझा करने का अवसर प्रदान करता है।

मराठा आरक्षण के खिलाफ उपचारात्मक याचिका उचित समय पर सूचीबद्ध की जाएगी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह मराठा आरक्षण को रद्द करने वाले शीर्ष अदालत के 2021 के फैसले के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार द्वारा दायर सुधारात्मक याचिका को उचित समय पर सूचीबद्ध करेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, उपचारात्मक याचिका सूचीबद्ध की जाएगी। इस साल अप्रैल में, पांच न्यायाधीशों की पीठ ने फैसले पर दोबारा विचार करने की मांग करने वाली राज्य सरकार की समीक्षा याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने मई 2021 के फैसले में मराठा समुदाय के लिए 12 से 13 प्रतिशत कोटा प्रदान करने वाले महाराष्ट्र सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ा वर्ग (एसईबीसी) अधिनियम, 2018 को रद्द कर दिया था। इसने घोषणा की थी कि राज्यों के पास सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए सूची तैयार करने की शक्ति नहीं है और फैसला सुनाया था कि राष्ट्रपति के पास किसी समुदाय को पिछड़े के रूप में पहचानने की एकमात्र शक्ति है।इससे पहले, शीर्ष अदालत ने 5 मई, 2021 के फैसले पर पुनर्विचार की मांग करने वाली केंद्र सरकार की याचिका खारिज कर दी थी।

बेंगलुरु में आयकर छापे : फ्लैट से मिले 42 करोड़ रुपए

बेंगलुरु (आरएनएस)। आयकर विभाग के अधिकारियों को बेंगलुरु के एक फ्लैट में बिस्तर के नीचे करोड़ों की नकदी मिली। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आयकर अधिकारी मामले के सिलसिले में एक पूर्व महिला पार्षद और उसके पति से पूछताछ कर रहे हैं।

सूत्रों ने कहा कि पांच राज्यों, खासकर राजस्थान में विधानसभा चुनावों के लिए फंडिंग के लिए बेंगलुरु में सोने के आभूषण विक्रेताओं और अन्य स्रोतों से बड़ी मात्रा में धन इकट्ठा किया जा रहा है।

इस संबंध में सूचना मिलने पर आयकर विभाग शहर में छापेमारी कर रहा है. आरटी नगर के पास आत्मानंदा कॉलोनी स्थित एक फ्लैट में गुरुवार देर रात की गई छापेमारी के दौरान 42 करोड़ रुपये की नकदी मिली।

सूत्रों ने बताया कि बिस्तर के नीचे 23 बक्सों में 42 करोड़ रुपये मूल्य के 500 रुपये के नोट रखे हुए थे।

सूचना मिलने के बाद आयकर अधिकारियों ने आरटी नगर में दो स्थानों पर छापेमारी की और उन्हें एक स्थान पर नकदी मिली।

सूत्रों ने बताया कि फ्लैट खाली था और वहां कोई नहीं रहता था, हालांकि, आईटी अधिकारी फ्लैट मालिक के विवरण के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं।

घटनाक्रम के बाद, आयकर अधिकारी पूर्व पार्षद और उनके पति से उनके आवास पर पूछताछ कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, पार्षद का पति एक ठेकेदार है और वह ठेकेदार संघ का हिस्सा है, जिसने पिछली भाजपा सरकार पर परियोजनाओं पर 40 प्रतिशत कमीशन लेने का आरोप लगाया था।

ठेकेदार ने कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए थे। घटना के संबंध में अभी और जानकारी सामने आना बाकी है।

पेपर लीक मामला : ईडी ने कांग्रेस नेताओं के सहयोगियों के घरों व दफ्तरों पर की छापेमारी

जयपुर (आरएनएस)। पेपर लीक मामले में ईडी की टीमों ने शुक्रवार को सुबह वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के करीबी लोगों के घरों और कार्यालयों पर छापेमारी शुरू कर दी।

अधिकारियों ने कहा कि ईडी की टीमें जयपुर और डूंगरपुर में दिनेश खोदानिया के आवासों और कार्यालयों की तलाशी ले रही हैं।

स्पर्धा चौधरी और अशोक जैन के जयपुर, जोधपुर और डूंगरपुर में नौ अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी चल रही है।

दिनेश खोड़निया को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का करीबी बताया जाता है और स्पर्धा चौधरी पेपर लीक मामले में फरार चल रहे सुरेश ढाका की दोस्त हैं। अशोक जैन एक कांग्रेस नेता के करीबी भी बताए जाते हैं।

ईडी सूत्रों के मुताबिक आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा और पेपर लीक मामले के मास्टरमाइंड भूपेन्द्र सारण को हाल ही में ईडी ने रिमांड पर लिया था।

बाबूलाल कटारा ने पूछताछ के दौरान कुछ अन्य लोगों के बारे में ईडी को जानकारी दी थी और इसके बाद ईडी ने भूपेन्द्र सारण को तीन दिन की रिमांड पर लिया था और उनसे पूछताछ की थी।

बाबूलाल कटारा और भूपेन्द्र सारण द्वारा दी गई जानकारी ईडी के दिल्ली कार्यालय भेजी गई, जहां एक टीम ने दिनेश खोदानिया, अशोक जैन और स्पर्धा चौधरी की जांच शुरू की।

सप्ताह भर चली जांच के दौरान उनके बैंक विवरण, पृष्ठभूमि, संपर्क और आगामी विधानसभा चुनाव में भूमिका की जांच की गई। इसके अलावा सिविल लाइंस में कई वरिष्ठ नेताओं के संपर्कों की भी जानकारी ईडी को मिली है. इसके बाद दिल्ली और गुजरात से टीमें जयपुर में छापेमारी के लिए भेजी गईं।

रिटायर्ड आर्मी जवान ने सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में की फायरिंग, गिरफ्तार

रांची (आरएनएस)। सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में एक रिटायर्ड आर्मी जवान ने टीटीई से बहस के बाद लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली चला दी। यह घटना झारखंड के धनबाद से कोडरमा रेलवे स्टेशन के बीच हुई। गोली चलने की घटना के तुरंत बाद रेल प्रशासन हरकत में आ गया। आरोपी को कोडरमा स्टेशन पर ट्रेन से उतारकर जीआरपी ने गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जा रहा है कि हरपिंदर सिंह के पास 12301 हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन का टिकट था और वह नशे की हालत में सियालदह राजधानी एक्सप्रेस में धनबाद स्टेशन से सवार हो गया था। इसी बात को लेकर जवान की टीटीई से बकझक हो गई और उसने आवेश में आकर अपने लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली चला दी।

बताया जाता है कि रिवॉल्वर में 6 गोली लोड थी, जिसमें से उसने एक राउंड फायरिंग कर दी। हालांकि, गोली किसी को नहीं लगी, लेकिन फायरिंग की आवाज से ट्रेन पर सवार यात्रियों में हडक़ंप मच गया। जवान नशे की हालत में था और वह गलत ट्रेन में चढ़ गया था। उसे मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया।

हरपिंदर सिंह गुरदासपुर का रहने वाला है और साल 2019 में सिख रेजीमेंट से हवलदार के पद से रिटायर हुआ था। मेडिकल जांच के लिए जाने के दौरान उसने ट्रेन में घटी घटना का जिक्र करते हुए अपनी गलती पर पछतावा भी प्रकट किया।

ऑपरेशन अजय के तहत इजराइल से 212 भारतीय लौटे स्वदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। इजराइल में चल रहे युद्ध के बीच ऑपरेशन अजय के तहत पहली उड़ान से शुक्रवार सुबह 212 भारतीय नागरिक राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे।

ऑपरेशन अजय के तहत पहली उड़ान शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे राष्ट्रीय राजधानी पहुंची और हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने उनका स्वागत किया।

मंत्री ने तेल अवीव से दिल्ली लौटे छात्रों से भी बातचीत की।

212 लोगों को लेकर विशेष वि?मान गुरुवार को तेल अवीव से दिल्ली के लिए रवाना हुआ था।

पिछले हफ्ते हमास समूह द्वारा तेल अवीव पर रॉकेट हमले शुरू करने के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि सरकार का मुख्य ध्यान वहां फंसे 18 हजार भारतीयों को वापस लाना है।

उन्होंने कहा, हमारा ध्यान उन भारतीयों को वापस लाने पर है, जो इजराइल से बाहर आना चाहते हैं। वहां छात्रों सहित 18 हजार भारतीय हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने युद्धग्रस्त इजराइल से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन अजय शुरू किया है।

बागची ने कहा, ऑपरेशन अजय हमारे उन नागरिकों की सुविधा के लिए शुरू किया गया है, जो वापस आना चाहते हैं।

26 हफ्ते का गर्भ गिराने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मांगी एम्स की नई रिपोर्ट

❐ सोमवार को सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक विवाहित महिला की 26 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए एम्स मेडिकल बोर्ड को प्रसवोत्तर मनोविकृति के इलाज के लिए महिला को दी गई दवाओं का भ्रूण के स्वास्थ्य पर पडऩे वाले प्रभाव के संबंध में नई रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

सीजेआई डी.वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को एक अन्य पीठ द्वारा खंडित फैसला सुनाए जाने के बाद दूसरे दिन मामले की सुनवाई की।

पीठ ने मेडिकल बोर्ड को एक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया कि क्या एमटीपी अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2)(बी) के अनुसार कोई महत्वपूर्ण असामान्यता है।

पीठ ने मेडिकल बोर्ड से यह जांच करने के लिए भी कहा कि क्या ऐसा कोई सबूत है, जो यह बताता हो कि प्रसवोत्तर मनोविकृति के इलाज के लिए निर्धारित दवाओं से गर्भावस्था को पूरी अवधि तक जारी रखना खतरे में हो जाएगा।

सीजेआई ने बोर्ड से यह पता लगाने को कहा कि यदि महिला प्रसवोत्तर मनोविकृति से पीड़ित है और उसे इसके इलाज की जरूरत है, तो क्या भ्रूण की सुरक्षा के लिए कोई वैकल्पिक दवा उपलब्ध है।

एम्स की मेडिकल रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद अदालत सोमवार को मामले पर दोबारा सुनवाई करेगी। महिला की ओर से पेश वकील ने अदालत के समक्ष कहा था कि याचिकाकर्ता की दो बार सी-सेक्शन डिलीवरी हुई है और वह डिलीवरी के बाद प्रसवोत्तर मनोविकृति से पीड़ित है।

उन्होंने अदालत का ध्यान प्रसवोत्तर अवसाद और प्रसवोत्तर मनोविकृति के बीच अंतर की ओर आकर्षित किया। यह कहते हुए कि संबंधित महिला उन दवाओं के बिना एक दिन भी नहीं रह सकती, जो अजन्मे बच्चे के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिला मतिभ्रम से पीड़ित है और उसने अपनी बीमारियों के कारण आत्महत्या का प्रयास किया है।

वकील ने अदालत को यह भी बताया कि प्रसवोत्तर मनोविकृति से शिशुहत्या का भी खतरा होता है। और यही वजह है कि उनके बाकी दोनों बच्चे उनकी सास की देखरेख में हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर उसे या डॉक्टर को गर्भावस्था के बारे में पता होता, तो डॉक्टर उसे अवसाद की भारी दवाएं नहीं देते।

केंद्र की ओर से पेश एएसजी भाटी ने अपनी दलील में कहा कि मौजूदा कानून के तहत, मेडिकल बोर्ड की राय को प्रधानता दी जाती है और याचिकाकर्ता के मामले में बोर्ड ने भ्रूण की व्यवहार्यता का हवाला देते हुए समाप्ति से इनकार कर दिया है।

पीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद याचिकाकर्ता के नुस्खे पर गौर किया। सीजेआई ने तब बताया कि सभी नुस्खे बीमारी की प्रकृति के बारे में चुप हैं और इससे नुस्खों की वैधता पर संदेह पैदा होता है। तब अदालत ने फैसला किया कि एक नई चिकित्सा राय की आवश्यकता है।

अदालत ने गुरुवार को याचिकाकर्ता को अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए 24 घंटे का समय दिया और एएसजी और याचिकाकर्ता के वकील को याचिकाकर्ता से बात करने और उसे समझाने की कोशिश करने और शुक्रवार को वापस आने का निर्देश दिया था।

दीनदयाल उपाध्याय-पटना रेल खंड पर रेल परिचालन शुरू

पटना (आरएनएस)। नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस हादसे के बाद दीनदयाल उपाध्याय - पटना रेल खंड पर ठप रेल परिचालन शुक्रवार को फिर से शुरू हो गया। फिलहाल अप लाइन पर परिचालन शुरू किया गया है।

संभावना व्यक्त की जा रही है कि जल्द ही डाउन लाइन पर भी परिचालन बहाल कर दिया जाएगा।

पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने शुक्रवार को बताया कि दानापुर मंडल के रघुनाथपुर में पुनर्बहाली कार्य करते हुए शुक्रवार की सुबह 8.10 बजे अप लाइन पर परिचालन शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि डाउन लाइन पर पुनर्बहाली कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

बुधवार की रात रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के पास नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस की कई बोगियां पटरी से उतर गई थी। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद इस मार्ग पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया था, जिससे कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा था जबकि कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया। हादसे के कारणों को लेकर जांच की जा रही है।

साहिबाबाद से दुहाई तक रैपिड रेल में सफर करेंगे पीएम मोदी, खरीदेंगे पहला टिकट

गाजियाबाद (आरएनएस)। गाजियाबाद में रैपिड रेल का उद्घाटन करने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं। वह अपने लिए इस रैपिड रेल का पहला टिकट भी खरीदेंगे। इसके साथ वह एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित करेंगे। जनसभा की तैयारी के लिए जिला प्रशासन जुटा हुआ है। जनसभा स्थल वसुंधरा सेक्टर-आठ के बड़े मैदान में है। 50 हजार लोगों की भीड़ जुटाने का टारगेट है। इसके लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

सूत्रों की मानें तो 20 अक्टूबर को पीएम गाजियाबाद आ सकते हैं। फिलहाल अभी तारीखों को लेकर पीएमओ से कोई भी पत्र नहीं आया है। रैपिड रेल प्रोजेक्ट दिल्ली से मेरठ तक बन रहा है। इसकी लंबाई 82 किलोमीटर है। पहला फेज गाजियाबाद में दुहाई डिपो से साहिबाबाद स्टेशन तक 17 किलोमीटर लंबा है। ये फेज पूरी तरह तैयार है। इसी का उदघाटन पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों होना है, जिसके लिए तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को तैयारियां परखने गाजियाबाद आए भी थे। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गाजियाबाद में साहिबाबाद स्टेशन पर पहुंचकर इस प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। यहां वे यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से रैपिड रेल का पहला टिकट खरीदेंगे और फिर उसमें दुहाई डिपो तक सफर करेंगे।

इस दौरान कुल तीन रैपिडएक्स ट्रेनें उनके साथ चलेंगी। सबसे आगे पायलट ट्रेन होगी। दूसरी ट्रेन यात्रियों के लिए होगी। तीसरी ट्रेन में पीएम मोदी, सीएम योगी सहित तमाम जनप्रतिनिधि सफर करेंगे। इसके बाद वे पुन: साहिबाबाद स्टेशन पर आएंगे और फिर वसुंधरा सेक्टर-आठ के मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री का ये कार्यक्रम तकरीबन दो घंटे का रहेगा।

इजरायल-हमास संघर्ष में मरने वालों की संख्या पहुंची 3,000 के करीब

जेरूसलम/गाजा। गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच भीषण संघर्ष शुक्रवार को लगातार सातवें दिन भी जारी रहा। इस संघर्ष में अब मरने वालों की संख्या 3,000 के करीब पहुंच गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने शुक्रवार को एक अपडेट में कहा कि 7 अक्टूबर को हमास के क्रूर हमले के बाद से कम से कम 1,300 इजरायली नागरिक और सैनिक मारे गए हैं।

कॉनरिकस ने कहा कि आतंकवादी हमलों में 3,391 लोग घायल हुए हैं।

हमले के जवाब में इजरायल गाजा पर हवाई हमले कर रहा है, सैकड़ों लक्ष्यों को निशाना बना रहा है और पड़ोस को मलबे में तब्दील कर रहा है।

इस बीच, फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक पर लगातार इजरायली हवाई हमलों से मरने वालों की कुल संख्या 1,569 तक पहुंच गई है, जबकि 7,212 अन्य घायल हो गए हैं।

सूत्रों ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि अकेले गाजा में मरने वालों की संख्या 1,537 थी, जिसमें 500 बच्चे और 276 महिलाएं शामिल थीं।

इसमें कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में 317 फिलिस्तीनी मारे गए और 929 अन्य घायल हो गए।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के अनुसार, हमास प्रशासित क्षेत्र में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों की संख्या शुक्रवार तक बढक़र 423,378 हो गई, जो कि पिछले दिन की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

ओसीएचए ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र राहत कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) नामित आपातकालीन आश्रयों के रूप में संचालित 102 परिसरों में लगभग 64 प्रतिशत विस्थापित व्यक्तियों की देखरेख कर रही है।

इजरायल द्वारा 8 अक्टूबर को एन्क्लेव में बिजली और ईंधन की आपूर्ति बंद करने के बाद, गुरुवार दोपहर से, गाजा पूरी तरह से बिजली ब्लैकआउट से गुजर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप गाजा का एकमात्र बिजली संयंत्र बंद हो गया, क्योंकि इसके ईंधन भंडार समाप्त हो गए थे।

जबकि गाजा के पांच में से चार अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र बिजली की कमी के कारण बंद हो गए हैं, सभी तीन समुद्री जल अलवणीकरण संयंत्र, जो पहले प्रति दिन 21 मिलियन लीटर पीने के पानी का उत्पादन करते थे, इसका परिचालन पूरी तरह से रोक दिया है।